International Parkinson and Movement Disorder Society

Infusion Therapies- पार्किंसंस रोग (Parkinsons Disease/PD) के लिए आसव चिकित्सा: रोगियों के लिए आवश्यक तथ्य

पार्किंसंस रोग में दवा की क्या भूमिका है?

पीडी (PD) वाले मरीजों के मस्तिष्क में पर्याप्त मात्रा में रासायनिक डोपामाइन नहीं होता है। दवा पीडी के लक्षणों में मदद कर सकती है। अधिकांश दवाएं प्रत्येक दिन कई बार मुंह से ली जाती हैं। जब आप पहली बार अपनी पीडी की दवाएं लेना शुरू करते हैं, तो लाभ आमतौर पर पूरे दिन भर रहता है; हालांकि, जैसे ही पीडी आगे बढ़ता है, आप देख सकते हैं कि दवा का लाभ अगली खुराक तक नहीं है। इसे "हल्का पड़ना" कहा जाता है। "बंद" अवस्था (off phase) में पीडी के लक्षण जैसे कांपना, सुस्ती और चलने में कठिनाई वापस आ सकती है। जब दवा का असर चालू हो जाता है, तो "चालू" अवस्था (on phase) में, लक्षणों में सुधार होता है। इस के कारण दवा अधिक बार ली जाती है और आपका लक्षणों पर कम नियंत्रण होता है।

पीडी के लिए इन्फ्यूजन थेरेपी क्या हैं?

जलसेक उपचार में या तो त्वचा के नीचे डाली गई एक छोटी सुई के माध्यम से या आपकी छोटी आंत में डाली गई एक ट्यूब (कैथेटर) के माध्यम से उपचार होते हैं। यह दिन के दौरान दवाओं का निरंतर प्रवाह प्रदान करता है। लेवोडोपा और एपोमोर्फिन आसव चिकित्सा की दो आम दवाएं हैं जो मस्तिष्क में डोपामाइन की कमी में काम आती हैं।

- लेवोडोपा: यह दवा मस्तिष्क में डोपामाइन में रूपांतरित हो जाती है। यह पीडी में सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली गोली है, और आंतों में एक जेल के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है जिसे लेवोडोपा / कार्बिडोपा आंत्र जेल (LCIG) कहा जाता है, "बंद" अवस्था को कम करने के लिए।
- एपोमोर्फिन: यह दवा रासायनिक डोपामाइन के समान है, मस्तिष्क की कोशिकाओं पर डोपामाइन जैसे काम करता है। इसका प्रयोग त्वचा के नीचे एक इंजेक्शन या निरंतर जलसेक के रूप में किया जा सकता है। यह ऑफ ("बंद" अवस्था)पीरियड्स को कम करने में मदद करता है।

LCIG और apomorphine दोनों को एक बाहरी पोर्टेबल पंप में संग्रहित किया जाता है।

किसे इस उपचार पर विचार करना चाहिए?

जलसेक उपचारों की सिफारिश तब की जाती है जब मौखिक दवा आपकी मदद करती है परन्तु आपको "चालू तथा बंद" अवस्था / या डिस्केनेसिया (बहुत अधिक दवा के साथ होने वाली अनैच्छिक गतिविधियां) का अनुभव होता हैं। अधिकांश रोगियों ने आमतौर पर जलसेक उपचार शुरू करने का निर्णय लेने से पहले कुछ अलग मौखिक और / या पैच दवाओं की कोशिश की है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यदि मौखिक दवाएं आपके लक्षणों में सुधार नहीं करती हैं, भले ही थोड़े समय के लिए, जलसेक उपचारों की सिफारिश नहीं की जाती है।

चिकित्सा आमतौर पर सुबह में शुरू होती है और रात के समय पर समाप्त होती है। पहले कुछ महीनों के दौरान, एक डॉक्टर या नर्स आपकी दवा की खुराक को समायोजित करने में मदद करता है।

आसव चिकित्सा की मुख्य सीमाएं और जटिलताएं क्या हैं?

जलसेक उपचार दुनिया भर में उपलब्ध नहीं हैं; केवल कुछ देशों के पास ही ये उपचार हैं।

- जलसेक उपचार की लागत गोलियों और पैच की तुलना में अधिक है, जो उनकी उपलब्धता को सीमित करता है।
- जलसेक उपचारों के प्रबंधन के लिए देखभालकर्ता की उपलब्धता, प्रशिक्षण और सहायता की आवश्यकता होती है।
- तकनीकी समस्याएं LCIG कैथेटर के साथ हो सकती हैं।
- त्वचा की प्रतिक्रियाएं एपोमोर्फिन उपचार को जटिल कर सकती हैं।

कॉपीराइट © 2018 अंतर्राष्ट्रीय पार्किंसंस एंड मूवमेंट डिसऑर्डर सोसायटी (एमडीएस)। सभी अधिकार सुरक्षित।

InternationalParkinsonandMovementDisorderSociety
555 East Well Street, Suite 1100 • Milwaukee, WI 53202 • +1 414-276-2145 • www.movementdisorders.org

LCIG और एपोमोर्फिन अन्य पीडी दवाओं के समान दुष्प्रभाव हैं, जैसे:

- जी मिचलाना
- अत्यधिक निद्रा
- कम रक्त दबाव (Low blood pressure)
- भ्रम की स्थिति
- मतिभ्रम

ये लक्षण विशेष रूप से तब होते हैं जब अन्य उपचारों के साथ कोई समस्या हुई हो।

कॉपीराइट © 2018 अंतर्राष्ट्रीय पार्किंसंस एंड मूवमेंट डिसऑर्डर सोसायटी (एमडीएस)। सभी अधिकार सुरक्षित।